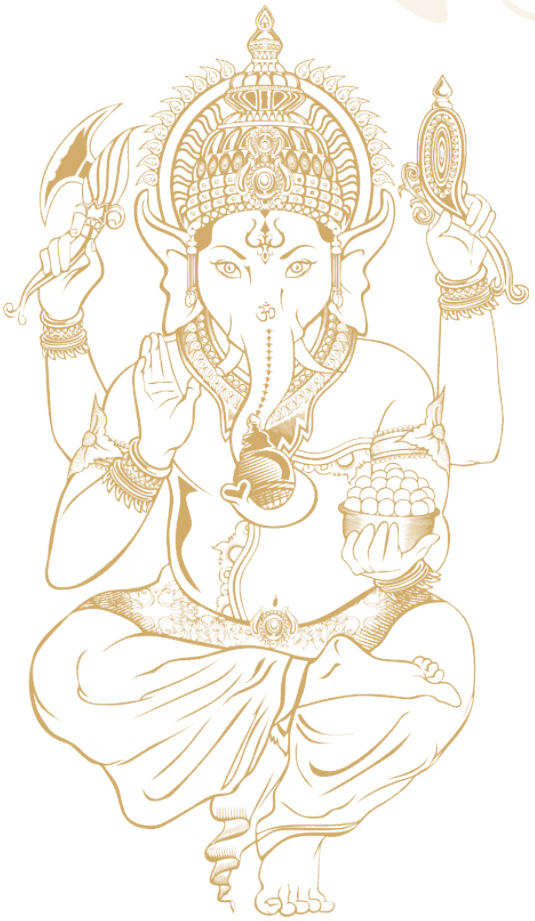

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121921702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/1986	जन्म तिथि	10/09/1993
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	08:00:00 घंटे
घटी 14:28:55	जन्म समय(घटी)	04:57:59 घटी
India	देश	India
Hathras	स्थान	Meerut
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
78:02:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:52	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:25	सूर्योदय	06:01:26
17:23:37	सूर्यास्त	18:30:28
23:40:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 7मा 28दि		00:00:17	मीन	लग्न	कन्या	18:48:52	मंगल 1वर्ष 8मा 4दि	
शुक्र		24:15:26	वृश्चि	सूर्य	सिंह	23:37:46	गुरु	
08/08/2009		17:43:03	मीन	चंद्र	मिथु	03:28:05	16/05/2013	
08/08/2029		16:00:49	कुंभ	मंगल	कन्या	24:54:48	16/05/2029	
शुक्र	07/12/2012	06:43:20	वृश्चि	बुध	कन्या	03:53:04	गुरु	04/07/2015
सूर्य	07/12/2013	20:59:06	कुंभ	गुरु	कन्या	23:09:32	शनि	14/01/2018
चन्द्र	08/08/2015	14:54:35	तुला	शुक्र	कर्क	22:18:10	बुध	21/04/2020
मंगल	07/10/2016	19:12:00	वृश्चि	शनि व	कुंभ	01:38:49	केतु	28/03/2021
राहु	08/10/2019	25:34:02	मीन	राहु व	वृश्चि	12:50:37	शुक्र	27/11/2023
गुरु	08/06/2022	25:34:02	कन्या	केतु व	वृष	12:50:37	सूर्य	14/09/2024
शनि	08/08/2025	28:36:58	वृश्चि	हर्ष व	धनु	24:34:48	चन्द्र	14/01/2026
बुध	08/06/2028	11:12:00	धनु	नेप व	धनु	24:42:41	मंगल	21/12/2026
केतु	08/08/2029	15:09:24	तुला	प्लूटो	तुला	29:21:26	राहु	16/05/2029

लग्न-चलित

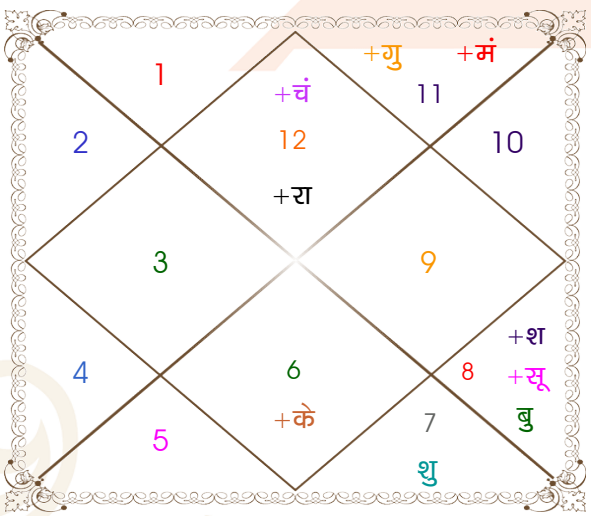

लग्न-चलित

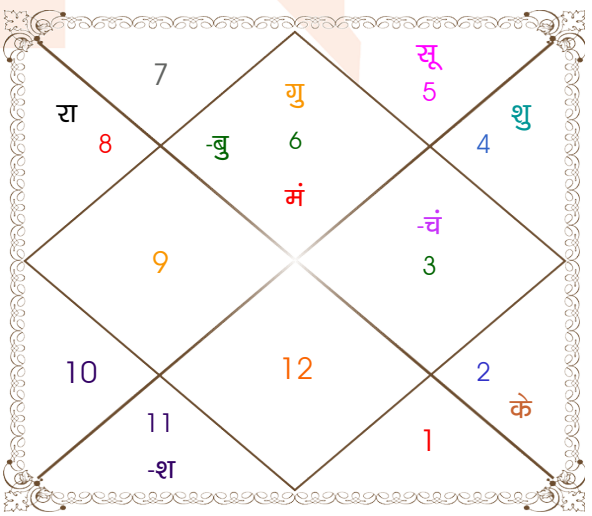

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मिथुन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Mr. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।